संस्थान के कुशल सपोर्ट स्टाफ हेतु दो दिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर के हिंदी प्रकोष्ठ तथा मानव संसाधन विकास समिति के तत्वावधान में दिनांक 10–11 मार्च, 2016 के दौरान कुशल सपोर्ट स्टाफ हेतु दो दिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्वाह्न 10.30 बजे प्रारंभ हुआ जिसकी अध्यक्षता संस्थान के माननीय निदेशक, डा. पी.जी. कर्मकार जी ने की। निदेशक महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा कि संस्थान के कुशल सपोर्ट स्टाफ हेतु इस तरह का हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अबतक का प्रथम प्रयास है जिसके लिए हिन्दी प्रकोष्ठ एवं मानव संसाधन विकास समिति बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि कुशल सपोर्ट स्टाफ हेतु इस तरह का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुछ ही संस्थानों में आयोजित की गयी है जिसका सिधा लाभ संस्थान तथा इन कर्मचारियों को मिलना तय है। डा. सुब्रत सतपथी, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुरक्षा ने अपने संबोधन में कुशल सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों से अपील किया कि वे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से अधिक से अधिक लाभ अर्जित करें तथा हिन्दी प्रयोग संबंधित जो भी झिझक हो विशेषज्ञ के माध्यम से उसका निवारण अवश्य करें। डा. दिलीप कुमार कुण्डु, प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी में कार्य करने में कोई कठिनाई महसूस हो तो उसे हिन्दी कक्ष के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा विनिर्दिष्ट नीति का पालन करते हुए कार्यशालाओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार–प्रसार पर बल दिया। डा. सुब्रत सतपथी, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुरक्षा ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी के प्रसार–प्रसार में अपना सहर्ष सहयोग प्रदान करना चाहिए। हमें रोज अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य यथासंभव राजभाषा हिंदी में ही करना चाहिए, तभी हम लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ सकते हैं।

वक्ता के रूप में क्रमशः (दिनांक 10.03.2016) डा. रमेश मोहन झा, प्राध्यापक, एवं (दिनांक 11.03.2016) श्री लखन कुमार सिंह, प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रलाय, भारत सरकार निजाम पैलेस, कोलकाता को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अक्षर ज्ञान, शब्द पर्याय, कार्यालयीन पत्र लेखन, राजभाषा के सरल एवं सहज अनुप्रयोग के साथ–साथ कार्यालय प्रयोजनार्थ संक्षिप्त तथा शुद्ध हिंदी लिखने के कौशल से संबंधित विषयों पर अभ्यास कराया। कुछ प्रशिक्षणार्थियों का सुझाव था कि इस तरह का प्रशिक्षण प्रत्येक तीन माह के अन्तराल में होनी चाहिए। इस तरह के प्रशिक्षण से बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डा. सुनीति कुमार झा, प्रधान वैज्ञानिक तथा डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्ड़ेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष द्वारा श्री मनोज कुमार राय, सहायक के सहयोग से किया गया।

डा. मुकेश कुमार, वैज्ञानिक (दिनांक 10.03.2016) एवं डा. प्रतीक सत्या, वरिष्ठ वैज्ञानिक (दिनांक 11.03.2016) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।